छत्तीसगढ़ी सिनेमा के बढ़ते कदमः–

प्रसिद्ध छालीवुड लेखक मनोज वर्मा निर्देशित छत्तीसगढ़ी फिल्म 'भूलन द मेज' को 67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल इटली एवं कैलिफोर्निया में इस फिल्म को पुरस्कार मिल चुका है। यह छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं कवि संजीव बक्शी के उपन्यास 'भूलन कांदा' पर आधारित है। इस फिल्म की कहानी में देश के न्याय व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न उठाया गया है। यह फिल्म सिर्फ छत्तीसगढ़ में ही नही बल्कि देश के विभिन्न सिनेमाघरों और मल्टीप्लेक्स में रिलीज हो रही है। इसके अतिरिक्त 'चमन बहार' वेब सीरिज ने राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता हासिल की है। जिसे छत्तीसगढ़ी पृष्ठभूमि पर निर्मित किया गया है। राष्ट्रीय परिदृश्य में 'दिल्ली 6' में 'ससुराल गेंदा फूल' छत्तीसगढ़ी गीत ने अत्यंत लोकप्रियता हासिल की थी। इसी प्रकार प्रख्यात रंगकर्मी हबीब तनवीर ने छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध करने का महत्वपूर्ण कार्य किया था। वर्तमान छत्तीसगढ़ी फिल्मों में छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति को चित्रित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ फिल्मों के शुरूआती दौर से अभी तक की यात्रा में बदलाव के चिह्न स्पष्ट रूप से दिखलायी पड़ते हैं। वर्तमान समय में महत्वपूर्ण विषय पर सार्थक फिल्मों का निर्माण हो रहा है। छत्तीसगढ़ की युवा पीढ़ी अपने ताजगी भरे नये विषय और नयी सोच के साथ छत्तीसगढ़ी फिल्मों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि छत्तीसगढ़ी सिनेमा में परिवर्तन की झलक स्पष्ट रूप से दिखलायी पड़ रही है। कला, संस्कृति एवं साहित्य से जुड़े हुए लोग भी छत्तीसगढ़ी सिनेमा में रूचि ले रहे हैं और उसकी समृद्धि के लिए भरसक सहयोग भी कर रहे हैं। 'चमन बहार' जैसे वेब सीरिज के लोकप्रिय होने के बाद मौलिक विषय पर युवावर्ग अपनी मौलिक विचारों से छत्तीसगढ़ी फिल्म जगत को समृद्ध कर रहे हैं। राज्य और केन्द्र सरकार भी छत्तीसगढ़ी फिल्मों से जुड़े हुए लोगों का सम्मान कर रही है। 2014 में फिल्म अभिनेता अनुज शर्मा और पार्श्वगायिका ममता चंद्राकर को पद्मश्री से सम्मानित करना इसका प्रमाण है। वर्तमान सरकार भी सिनेमा निर्माण के लिए विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध करा रही है। फिल्मी कलाकारों के हित के लिए विभिन्न योजनाएँ बनाई जा रही है। जिससे लगता है कि भविष्य में छत्तीसगढ़ी फिल्मों के लिए सुनहरे दिन आने वाले हैं।

छत्तीसगढ़ी फिल्मों का नकारात्मक पक्षः–

यह कहने में कोई संकोच नही है कि छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री के द्वारा बनी बहुत सारी छत्तीसगढ़ी फिल्म फूहड़ और स्तरहीन है। जिसमें स्तरहीन कहानी, संवाद और अभिनय का प्रभाव दिखलायी पड़ता है। सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए स्तरहीन शीर्षक और अश्लील गीतों का सहारा भी लिया जाता है। अधिकांश फिल्म निर्माता आर्थिक

रूप से सम्पन्न नहीं होते है जिसके कारण फिल्म में अभिनय करने वाले अभिनेताओं, संगीतकार, कोरियोग्राफर, कहानी लेखक, तकनीकी विशेषज्ञ को उचित पारिश्रमिक नही मिल पाता है। जिसके कारण योग्य एवं अनुभवी लोग ऐसी फिल्मों में काम करने में रूचि नही लेते है। विदित हो कि हिन्दी फिल्मों की अपेक्षा छत्तीसगढ़ी फिल्म देखने वालों की संख्या बहुत कम हैं। पिछली सरकारों ने फिल्म उद्योग के लिए अनुदान एवं अन्य सहायता उपलब्ध कराने में रूचि नही ली थी। जिसके कारण अधिकांश छत्तीसगढ़ी फिल्मों में गुणवत्ता एवं कलात्मकता दिखलायी नही पड़ती हैं।

उपसंहारः–

उपर्युक्त तथ्यों की विवेचना के पश्चात समग्र रूप से यह कहा जा सकता है कि 1965 से लेकर 2022 तक छत्तीसगढ़ी फिल्म की विकास यात्रा जारी है। सीमित संसाधन, आर्थिक समस्या एवं अन्य संसाधनों की कमी के बावजूद छत्तीसगढ़ में श्रेष्ठ फिल्मों का निर्माण हुआ है और यह प्रक्रिया जारी है। निश्चित रूप से अभी भी बहुत कमियाँ है। जिसकी आलोचना एवं सुधार करने की कोशिश निरंतर जारी है। छत्तीसगढ़ी सिनेमा के माध्यम से छत्तीसगढ़ी लोकजीवन, लोकसंस्कृति और लोकभाषा को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की शुरूआत हो चुकी है। आने वाले समय में छत्तीसगढ़ सिनेमा का भविष्य सुखद है।

संदर्भ सूचीः–

1. राहुल सिंह – छत्तीसगढ़ी फिल्म, सिंहावलोकन।
2. एकांत चौहान – छत्तीसगढ़ी फिल्मों का सफर, https//www.cgfilm.in
3. अनुज शर्मा – छत्तीसगढ़ी फिल्म के सुपरस्टार अनुज शर्मा से खास बातचीत, न्यूज 18 (हिन्दी)।
4. अनुज शर्मा – उपलब्धियों से भरा है छत्तीसगढ़ी सिनेमा का सफर, नईदुनिया।
5. डॉ. अजय कुमार शुक्ल–छत्तीसगढ़ी सिनेमा के बढ़ते कदम, sahityacinemasetu.com
6. छत्तीसगढ़ी सिनेमा इतिहास – https//www.hmoob.in
7. छत्तीसगढ़ी के फिल्म जगत – https//cg.sahity.in
8. योग मिश्रा – अभी खत्म नही हुई छत्तीसगढ़ी फिल्मों की विकास यात्रा, अपना मोर्चा।
9. राहुल सिंह – छत्तीसगढ़ी की पहली फिल्म – कही देबे संदेश, रायपुर दुनिया।
10. चित्रसेन साहू – इतिहास रचने वाली पहली छत्तीसगढ़ी फिल्म मोर छंइहा भूईयां – just36news.com
11. छालीवुड – विकिपीडिया – https//hi.m.wikipedia.org